भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-481
उत्तर दिनांक 24/07/2025 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा उत्पादन की स्थिति और लक्ष्य

481. # श्री आदित्य प्रसाद

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की वर्तमान स्थिति क्या है और कुल उत्पादन क्षमता (मेगावाट में) कितनी है;

(ख) क्या मंत्रालय द्वारा वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के लिए कोई विशिष्ट कार्यनीति या योजनाएँ तैयार की गई हैं;

(ग) यदि हाँ, तो किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या झारखंड जैसे खनिज संपन्न राज्यों, विशेषकर जहाँ यूरेनियम जैसे परमाणु खनिज उपलब्ध हैं, को इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एक रणनीतिक भूमिका दी जा रही है; और

(ङ) यदि हाँ, तो झारखंड में प्रस्तावित या प्रगति पर चल रही परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) वर्तमान में, देश के कुल विद्युत उत्पादन में नाभिकीय ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग 3% है। वित्त वर्ष 2024-25 में, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों ने लगभग 56681 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली का उत्पादन किया। देश में कुल स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 8780 मेगावाट है, जिसमें आरएपीएस-1 (100 मेगावाट) शामिल नहीं है, जो लंबे समय से बंद है। वर्तमान में, कुल 760 मेगावाट क्षमता वाले 04 रिएक्टर नवीनीकरण/पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण गतिविधियों के लिए परियोजना मोड में हैं। इस प्रकार, वर्तमान में प्रचालनरत क्षमता 8020 मेगावाट है।

(ख) व (ग) सरकार ने वर्ष 2047 तक नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 100 गीगावाट तक प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ एक महत्वकांक्षी नाभिकीय ऊर्जा मिशन की घोषणा की है। इस संदर्भ में, सरकार ने नाभिकीय ऊर्जा में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की बड़े पैमाने पर भागीदारी सक्षम बनाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अतिरिक्त सरकार ने एसएमआर एवं नई प्रगत प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए भी कदम उठाए हैं। यह लक्ष्य मौजूदा और विकासाधीन नई उन्नत तकनीकों पर आधारित रिएक्टरों की स्थापना के माध्यम से प्राप्त किया

जाएगा। देश की वर्तमान स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 24 रिएक्टरों को मिलाकर कुल 8780 मेगावाट है (विस्तारित शटडाउन के तहत आरएपीएस-1 (100 मेगावाट) के अलावा)। इसके अतिरिक्त, कुल 13600 मेगावाट क्षमता (भाविनि द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे 500 मेगावाट पीएफबीआर सहित) क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में है। इसके क्रमिक रूप से पूर्ण होने पर, वर्ष 2031-32 तक स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 22380 मेगावाट तक पहुंचने की आशा है। सरकार स्वदेशी उत्पादन के संवर्धन तथा विविध स्रोतों से आयात द्वारा नाभिकीय ईंधन स्रोतों को बढ़ाने के प्रयास कर रही है।

(घ) व (ङ) वर्तमान में, झारखंड राज्य में नाभिकीय विद्युत परियोजना स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****